तीर्थंकर महावीर स्मृतिग्रन्थ (फोल्डर नं. ०१२००१)

मुख्य टाइटल

क्रम

आमुख - हरस्वरूप

प्रस्तुति – अजयकुमार भट्टाचार्य

प्राक्कथन – गोविन्द नारायण टण्डन

पूर्वा – रवीन्द्र मालव

कृतज्ञता ज्ञापन – घनश्याम गौतम

शुभ कामना सन्देश

प्रथम खण्ड – काव्यांजलि ----------१-८

मंगल सूत्र ----------३

महावीर स्तवन (प्राकृत) - कुन्दकुन्दाचार्य ---------- ४

महावीर स्तवन – संस्कृत - रविषेणाचार्य ---------- ४

वन्दना---------- ५

भगवान महावीर के चरणों में – उपाध्याय अमर मुनि ---------- ६

मनोयोग द्वारा सुनो वीर वाणी – कल्याण कुमार जैन ---------- ७

भाव पुष्पांजलि – शान्तीलाल जैन ----------८

द्वितीय खण्ड – जिनवाणी ---------- ९-२२

अन्तरात्मा ---------- ११

अपरिग्रह ---------- ११

अभयदान ---------- ११

अभोगी ---------- ११

अरहंत ---------- ११

अस्तेय ---------- ११

अहिंसा----------१२

आचार्य ----------१३

आत्मतत्व ----------१३

आत्मविजेता ----------१३

आत्मश्रद्धा ----------१३

आत्मशुद्धि ---------- १४

आत्मा ---------- १४

आत्मज्ञान ---------- १४

आचरण ---------- १५

आचार ---------- १५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

आर्जव ---------- १५
उपभोग ---------- १५
कर्म ---------- १५
कषाय ---------- १५
केवलज्ञान ---------- १६
केवली ---------- १६
चरित्र ---------- १६
जीव ---------- १६
तप ---------- १७
तीर्थ ---------- १७
द्रव्य ---------- १७
दुःख ---------- १७
धर्म ---------- १७
ध्यान ----------१८
परमाणु ----------१८
परमात्मा ----------१८
परिग्रहण ----------१८
पर्याय----------१८
प्रमाण ---------- १९
पुद्गल ---------- १९
भय ---------- १९
भाषा ---------- १९
मार्दव ---------- १९
मोक्षमार्ग---------- १९
लोभ ---------- २०
विनय ---------- २०
ब्रह्मचर्य ---------- २०
श्रमण---------- २०
श्रमणधर्म ---------- २०
संत ---------- २०
संयम ----------२१
समता ----------२१
सत्य ----------२१
सम्यक्त्व ----------२१
सम्यक दर्शन ----------२१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सम्यक ज्ञान ---------- २२
सम्यक चारित्र ---------- २२
ज्ञान ---------- २२
तृतीय खण्ड – भगवान महावीर, जीवन दर्शन-देन ---------- २३-७६
भगवान महावीर, जीवन और दर्शन – पं. कैलाशचन्द्र शास्त्री ---------- २५
तीर्थंकर महावीर औऱ उनकी सामाजिक क्रान्ति – चन्दनमल वैद ---------- ३२
वर्तमान युग में महावीर के उपदेशों की सार्थकत – यशपाल जैन ---------- ३५
भगवान महावीर और नारी मुक्ति – पं. सुमतीभाई शाह ---------- ३९
महावीर की वाणी का मंगलमय क्रान्तिकारी स्वरूप – डॉ. महावीर शरण जैन ---------- ४३
महावीर का साम्यवाद – परिपूर्णानन्द वर्मा ---------- ५१
विश्वशान्ति के सन्दर्भ में तीर्थंकर महावीर का सन्देश – यू. एन. वाच्छावत ---------- ५४
मानवधर्म के प्रणेता तीर्थंकर महावीर – सरदारसिंह चोरड़िया ---------- ५७
भगवान महावीर का सर्वोदय शासन – सुमेरुचन्द्र दिवाकर शास्त्री ---------- ६१
Message of Bhagvan Mahavira – T. K. Tukol ---------- 69
Pearls ---------- 76
चतुर्थ खण्ड – जैन धर्म-दर्शन ---------- ७७-१५२
तीर्थंकर महावीर का अनेकान्त एवम् स्याद्वाद दर्शन – आचार्य श्री तुलसीजी ---------- ७९
वर्तमान युग में श्रमण – उपाध्याय मुनि श्री विद्यानन्दजी ---------- ८३
जैन योग में कुँडलिनी – मुनि श्री नथमलजी ---------- ८७
परिग्रह का स्वरूप – मुनि श्री चन्दनमलजी ---------- ९१
जैन दर्शन में अनुमान परिभाषा – डॉ. दरबारीलाल कोठिया ---------- ९३
जैन संघ और सम्प्रदाय – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर ---------- ९९
भगवान महावीर का अपरिग्रह, एक दार्शनिक विवेचन – प्रो. श्रीचन्द्र जैन ---------- १२४
जैन कर्म सिद्धान्त – श्यामलाल पाण्डवीय ---------- १३५
जैन दर्शन में मोक्ष का स्वरूप, एक तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. सागरमल जैन ---------- १४१
पंचम खण्ड – जैन संस्कृति एवम् कला ---------- १५३-२१४
जैन पुरातत्त्व एवम् कला – मधुसूदन नरहरि देशपाण्डे ---------- १५५
जैन मूर्ति शास्त्र – प्रो. कृष्मदत्त वाजपेयी ---------- १६८
जैन धर्म और संगीत – गुलाबचन्द्र जैन ---------- १७१
भारतीय शिल्पकला के विकास में जैन शिल्पकला का योगदान – डॉ. शिवकुमार नामदेव ------१८१
जैन चित्रकला – श्रीमती उषाकिरण जैन ---------- १९३
Contribution of Mahavira to Indian Culture – Dr. Kailashchandra Jain ---------- 200
Jaina Images and their Predominant Styles – Dr. R. N. Misra ---------- 205
षष्टम् खण्ड – जैन साहित्य ---------- २१५-२७०
जैन साहित्य – अगरचन्द नाहटा ---------- २१७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

मध्यकालीन हिन्दी साहित्य में वर्णित सद्गुरू – सत्संग की महत्ता – डॉ. पुष्पलता जैन ------- २२४
जैन साहित्य एवं संस्कृति के विकास में भट्टारकों का योगदान – डॉ. कस्तुरचन्द कासलीवाल ---------- २३१
जैन साहित्य के आद्य पुरस्कर्ता – डॉ. ज्योतिप्रसाद जैन ---------- २३७
प्राचीन जैन राम साहित्य में सीता – डॉ. लक्ष्मीनारायण दुबे ---------- २४१
जैन आचार्यों का संस्कृत काव्य शास्त्र में योगदान – डॉ. अमरनाथ पाण्डे ---------- २४९
राजस्थान के कवि ठकुरसी – पं. परमानन्द जैन शास्त्री ---------- २५६
महापंडित टोडरमल – डॉ. हुकुमचन्द भारिल्ल ---------- २६५
सप्तम खण्ड – वैज्ञानिक सन्दर्भों में जैन धर्म ---------- २७१-३०२
परमाणु और लोक – प्रो. जी. आर. जैन---------२७३
जैन गणित विज्ञान की शोध दिशाएँ – लक्ष्मीचन्द्र जैन---------२८१
शाकाहार – वैज्ञानिक एवं चिकित्साशास्त्रीय दृष्टिकोण – डॉ. पदमचन्द्र जैन ---------२९१
अष्टम खण्ड – ग्वालियर और जैन धर्म (विविध सन्दर्भ) ---------- ३०३-३६०
गोपाचल का एक विस्मृत महाकवि, रईधू – डॉ. राजाराम जैन ---------- ३०५
ग्वालियर एवं उसके निकटवर्ती क्षेत्रों में स्थित जैन सांस्कृतिक केन्द्र – डॉ. वी. वी. लाल ---- ३१८
गोपाद्रौ देवपत्तने – हरिहरनिवास द्विवेदी ---------- ३२५
ग्वालियर के सांस्कृतिक विकास में जैन धर्म – रवीन्द्र मालव ---------- ३३७
नवम खण्ड – विविधा ---------- ३६१-४१०
समीक्षा एवं समालोचना... ---------- ३६३
भगवान महावीर का पच्चीस सौं वा निर्वाण महोत्सव... ---------- ३७५
भगवान महावीर महापरिनिर्वाण महोत्सव पर्व की स्थाई उपलब्धि... ---------- ३८५
जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित श्री २५०० वां, भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव ------- ३८९
लेखक परिचय ---------- ३९३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org